ओ३म्

गुरुकुल किशनगढ़-घासेड़ा

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) , नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त

(मान्यता कोड 531166, विद्यालय संख्या 41144)

परमपूज्य योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज की प्रेरणा से संचालित

प्रकृति की सुरम्य गोद में स्थित

प्राचीन व अर्वाचीन शिक्षा तथा

वैदिक संस्कृति एवं संस्कारों का

अनुपम शिक्षण–संस्थान

उद्देश्य एवं नियमावली

सत्र 2025-26

गुरुकुल किशनगढ़–घासेड़ा, पोस्ट बीकानेर, जिला रेवाड़ी–123401 (हरियाणा)

मो. नं. 08222889112, 09416347551, 08222889104

वैब साईट : www.gurukulrewari.com ईमेल : gkgrewari@gmail.com

विषय सूची

क्रम	विषय	पृष्ठ
1.	गुरुकुल का संक्षिप्त परिचय	3
2.	गुरुकुल के प्रमुख अधिकारीगण	3
3.	गुरुकुलीय विशेषताएँ	4
4.	पाठ्यक्रम	6
5.	परीक्षा-व्यवस्था	6
6.	गुरुकुल महोत्सव (वार्षिकोत्सव)	6
7.	अवकाश-व्यवस्था	6
8.	प्रेरक प्रतियोगिताएँ	6
9.	प्रवेश सम्बन्धी नियम	7
10.	प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेज	7
11.	वार्षिक शुल्क विवरण व्यवस्था	7
12.	वार्षिक व्यय-विवरण	8
13.	गुरुकुलीय गणवेश व अन्य आवश्यक वस्तुओं की सूचि	9
14.	दिनचर्या-प्रकरण	9
15.	विद्यार्थी का निष्कासन	10
16.	पुनः प्रवेश	10
17.	अभिभावकों हेतु निर्देश	11
18.	गुरुकुल वार्षिक गतिविधियाँ	12
19.	गुरुकुल पहुँचने का सांकेतिक मार्ग	14
20.	प्रवेश परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम	17-22

ओ३म्

गुरुकुल किशनगढ़-घासेड़ा

गुरुकुल का संक्षिप्त परिचय

'वीरभूमि हरियाणा' राज्य के रेवाड़ी नगर से लगभग 10 किमी० दूर प्रकृति की नैसर्गिक व रमणीक गोद में 20 एकड़ भूमि पर स्थापित **गुरुकुल किशनगढ़–घासेड़ा** विश्व में सनातन संस्कृति व ऋषि परम्परा के ध्वजवाहक, परम पूज्य योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज के पुनीत संरक्षण व आर्शीवाद से मानव निर्माण की सेवा में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह गुरुकुल किशनगढ़ और घासेड़ा ग्रामों के धार्मिक, संस्कृतिभक्त व दानी महानुभावों द्वारा प्रदत्त 20 एकड़ भूमि में अवस्थित है। इसकी स्थापना 14 जनवरी, 1979 को मकर–संक्रान्ति के पावन अवसर पर महाशय हीरालाल आर्य जी के प्रयास से हुई। तत्पश्चात् सन् 1989 से गुरुकुल का संचालन करने वाले तपोनिष्ठ, वेद व वैदिक संस्कृति के प्रति सर्वात्मना समर्पित स्वर्गीय महात्मा धर्मवीर जी महाराज व गुरुकुल की कार्यकारिणी समिति ने सन् 2002 को श्रेत्रिय ब्रह्मनिष्ठ, वीतराग परम पूज्य श्रद्धेय आचार्य श्री बलदेव जी महाराज के पटु शिष्य, परम श्रद्धेय योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज के दिव्य–पावन कर कमलों में गुरुकुल का सम्पूर्ण संचालन व संरक्षण व्यवस्था सौंप, इस पुनीत यज्ञ की एक चिर संचित बृहत् आहुति प्रदान की। तब से यह गुरुकुल हर क्षेत्र मे दिन–दौगुनी और रात चौगुनी उन्नति कर रहा है। वर्तमान समय में गुरुकुल के सैकड़ों होनहार छात्र देश–विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर आसीन होकर राष्ट्र, समाज व संस्कृति की सेवा करते हुए स्वयं के जीवन को सार्थक कर रहे हैं। गुरुकुल की अप्रतिम कार्यशैली, सुव्यवस्था व उत्कृष्ट परिणामों से प्रेरित होकर इस समय गुरुकुल में हरियाणा ही नहीं अपितु राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, बिहार, गुजरात, आदि 15 राज्यों के छात्र भी स्वयं को सौभाग्यशाली वा गौरवान्वित अनुभव करते हुए अध्ययनरत हैं और गुरुकुल व्यवस्था भी बालकों को उच्च शिक्षा व संस्कार देने के लिए संकल्पित है।

गुरुकुल के प्रमुख अधिकारीगण

प्रेरणास्रोत	–	परम पूज्य श्रद्धेय योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज।
संचालक	–	आचार्यकुल शिक्षण संस्थान (रजि०) कनखल, हरिद्वार
परामर्श एवं आशीर्वाद प्रदाता	–	श्रद्धेय आचार्य श्री बालकृष्ण जी महाराज, महामन्त्री, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार, आदरणीय श्रीयुत् डॉ० यशदेव शास्त्री जी, महामंत्री, पतंजलि ग्रामोद्योग न्यास, हरिद्वार।
पावन सानिध्य व संरक्षण	–	पूज्य स्वामी संकल्पदेव जी महाराज एवं आचार्य श्री आनंद जी
अध्यक्ष	–	श्री सामवेद जी।
प्राचार्य	–	श्री सत्यव्रत शास्त्री।

गुरुकुलीय विशेषताएँ

- **शुद्ध, शान्त व नैसर्गिक परिवेश :** मनुष्य के निर्माण में उसके आस–पास के वातावरण व पर्यावरण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यद्यपि वर्तमान समय में सब ओर वैचारिक प्रदूषण, वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण का कुप्रभाव है फिर भी ईश्वरीय कृपा से आपका यह गुरुकुल सभी प्रकार के प्रदूषण व कोलाहल से मुक्त प्रकृति की पवित्र व सुरम्य गोद में स्थित है। यहाँ ब्रह्मचारी सभी प्रकार की चिन्ताओं व समस्याओं से विमुक्त होकर सौहार्दपूर्ण परिवेश में अध्ययन करते हुए अपना सर्वांगीण विकास कर पाता है।
- **शिक्षा एंव संस्कार :** गुरुकुल में प्राचीन व आधुनिक शिक्षा का समयानुकूल समन्वय करके विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास किया जाता है। यहाँ शास्त्र स्मरण, धर्म–शिक्षा, सन्ध्या–यज्ञ, प्रवचनादि के माध्यम से विद्यार्थी में जहाँ एक ओर संस्कारो का आधान किया जाता है, तो वहीं दूसरी ओर अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, आदि आधुनिक विषयों की शिक्षा स्मार्ट कक्षा कक्ष, प्रोजक्टर, कम्प्यूटरादि साधनों के माध्यम से प्रदान कर उन्हें वर्तमान समाज में स्वावलम्बी, सार्थक व सफल जीवन जीने के योग्य बनाकर विद्यार्थी को भारतीय संस्कारों के आधार पर वैश्विक नागरिक के रूप में तैयार किया जाता है।
- **अनुशासनात्मक जीवनशैली :** विद्यार्थी का अनुशासित होना सफलता की पहली अवश्यकता होती है क्योंकि अनुशासित विद्यार्थी अपने पुरुषार्थ से अपनी कुशलताओं को बढाकर जीवन में विशेष उपलब्धि ा प्राप्त कर लेता है इसके विपरीत अनुशासनहीन विद्यार्थी सामर्थ्य होने पर भी जीवन में बड़ी सफलता से वंचित रह जाता है। अत: गुरुकुल में 100 प्रतिशत अनुशासन के साथ बालकों को विद्याभ्यास, योगाभ्यास, व्रताभ्यास कराया जाता है।
- **कम्प्यूटर–शिक्षा व विज्ञान–प्रयोगशालाएँ :** इस समय गुरुकुल में कम्प्यूटर, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, रसायन विज्ञान तथा भूगोल की प्रयोगशालाएँ भी हैं, जहाँ विद्यार्थीगण आचार्य के निरीक्षण व निर्देशन में विभिन्न प्रयोग कर अपने ज्ञान कौशल में अभिवृद्धि करते हैं।
- **प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी (Competitive Exams):** छात्रों के शैक्षिक उन्नयन व वर्तमान समय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अतिरिक्त कक्षाएं भी लगाई जाती हैं।
- **पुस्तकालय तथा वाचनालय :** गुरुकुल में प्राचीन वैदिक आर्ष साहित्य एवं आधुनिक साहित्यों से सुसज्जित एक पुस्तकालय तथा वाचनालय भी है। जहाँ विद्यार्थी इन सुलभ प्राचीन व अर्वाचीन साहित्य के साथ–साथ विविध समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं का स्वाध्याय कर अपने ज्ञान–विज्ञान का संवर्धन करते हैं।
- **संगीत शिक्षा** : गुरुकुल में विविध सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं हेतु छात्रों को गायन व हारमोनियम, तबला, बांसुरी, सितार, गिटार इत्यादि वाद्ययंत्रों का सामान्य प्रशिक्षण भी दिया जाता है। ,
- **शास्त्र–स्मरण एवं अध्ययन :** सनातन संस्कृति के संवर्धन एवं स्वयं के जीवन–बोध और विद्यार्थियों

की बुद्धि को तीक्ष्ण व सूक्ष्म बनाने हेतु, प्राचीन युग की भाँति बालकों को निर्धारित पाठ्यक्रम से अतिरिक्त सनातन शास्त्रों (गीता, उपनिषद, दर्शन, नीतिशास्त्र, वेद, सत्यार्थ प्रकाश) के पठन–पाठन के साथ कण्ठस्थीकरण भी कराया जाता है और शास्त्र स्मरण प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को दस हजार रूपये से लेकर एक लाख रूपये तक की राशि के पुरुस्कार भी प्रदान किए जाते हैं।

- **कौशल व वाग्वर्धक कार्यक्रम :** छात्रों में वाक्पटुता (Speaking Skill) का सामर्थ्य विकसित करने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है तथा नाटक–मंचन, चित्रकारी, भाषणकला, लेखन, गायन, रंगोली इत्यादि कलाओं को विकसित करने के लिए मासिक तथा विविध पर्व, महापुरुषों के जन्म व निर्वाण दिवस आदि अवसरों पर कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।
- **शैक्षणिक, सांस्कृतिक व मनोरंजक स्थलों का परिभ्रमण :** विद्यार्थियों के ज्ञान–वर्द्धन, ऐतिहासिक गौरव व उत्साह को बढ़ाने के लिए वर्ष में दो बार विविध धार्मिक, शैक्षणिक, ऐतिहासिक, प्रौद्योगिकी सम्बन्धी स्थानों का परिभ्रमण भी कराया जाता है।
- **योग्य एवं समर्पित आचार्यगण :** अर्थ एवं स्वार्थ प्रधान इस युग में हम सगर्व व सहर्ष यह घोषणा करते हैं कि हमारे अध्यापक तथा व्यवस्थापक बन्धु अत्यन्त योग्य, कार्य–कुशल, शिक्षा–प्रेमी, समाज, राष्ट्र, संस्कृति व मानवता के प्रति सर्वात्मना समर्पित हैं। सभी अपने–अपने विषयों के मर्मज्ञ व गवेषक हैं। जिनका कुशल मार्गदर्शन विद्यार्थियों में सन्निहित समस्त प्रतिभाओं को अभिव्यक्त करने का सामर्थ्य प्रदान करता है।
- **खेल–कूद (Sports Activity) :** शिक्षा के साथ–साथ छात्रों को **Sports** में भी अपना भविष्य बनाने के लिए गुरुकुल में लगभग 25 प्रकार के खेलों का अभ्यास कराया जाता है। जिसमें योगासन, मलखंभ, कबड्डी, कुश्ती, खो–खो, फुटबॉल, वालीबॉल, बैडमिंटन, बास्केटबाल, स्कैटिंग, Tug of War (रस्साकशी), Athlete (दौड़), Discus Throw, Shot Put, Javelin Throw, Cricket, Chess, Long Jump, High Jump, Self Defence etc.
- **योगासन, प्राणायाम व ध्यानाभ्यास : धर्मार्थकाममोक्षाणां आरोग्यम् मूलम् उत्तमम्** इस शास्त्रोक्ति का पालन करते हुए यहाँ विद्यार्थियों को प्रतिदिन आसन, प्राणायाम ध्यान का अभ्यास भी करवाया जाता है। जिससे विद्यार्थी शारीरिक, मानसिक व आत्मिक रूप से उन्नत होकर जीवन के भौतिक व आध्यात्मिक सत्यों को समझ आत्मकल्याण से विश्व कल्याण की यात्रा का पथिक बन सके।
- **शुद्ध, पौष्टिक व ऋतु के अनुसार भोजन :** यहाँ गुरुकुल में विद्यार्थियों को शुद्ध, पौष्टिक व ऋतु के अनुकूल भोजन दिया जाता है। गुरुकुल की अपनी गौशाला से शुद्ध दूध, खेतों से सब्जी, फलादि भी प्राप्त होता है। विविध पर्वों व विशिष्ट अवसरों पर विशेष भोजन तथा समय–समय पर फलाहार की भी व्यवस्था है। पीने के लिए **(R.O.)** शुद्ध जल की व्यवस्था है।
- **आवासीय व्यवस्था :** यहां विद्यार्थियों के विद्याभ्यास की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए छात्रावास पूर्णतया वातानुकूलित (Fully A.C) है, जिसमें छात्रगण व्यवस्थानुसार पृथक–पृथक छात्रावास में रहकर

एकाग्रता पूर्वक अपना–अपना स्वाध्याय व सहजता पूर्वक रात्रिविश्राम करते हैं। विद्यालय परिसर भी खुले एंव हवादार कमरों से युक्त है।

- **सात्विक मनोरंजन :** गुरुकुल में ब्रह्मचारियों की भावनाओं व आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सप्ताहिक कोई भी ज्ञानवर्धक, ऐतिहासिक प्रेरणादायी, धार्मिक धारावाहिक **(TV Serial)** भी दिखाया जाता है।
- **चिकित्सा–व्यवस्था :** गुरुकुल में समय–समय पर विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच (Medical Checkup) भी कराई जाती है। प्राथमिक उपचार की व्यवस्था के साथ अस्वस्थ विद्यार्थी हेतु निकटतम शहर (रेवाड़ी) में वैद्य व पतंजलि औषधालय की भी व्यवस्था हैं।
- **वस्तु भण्डार :** छात्रों की सुविधा के लिए गुरुकुल में वस्तु–भण्डार की भी व्यवस्था है, जहाँ से छात्रों को आवश्यक वस्तुएँ समय–समय पर प्रदान की जाती हैं।
- **सेवा–स्वभाव :** विद्यार्थियों में सेवा–स्वभाव, कार्य–कुशलता, कर्मठता और स्वावलम्बनादि गुणों के विकास हेतु गुरुकुल में प्रतिदिन या आवश्यकता अनुसार कृषि सेवा, स्वच्छता सेवा, गौ सेवा का अवसर भी दिया जाता हैं।
- **हवन–यज्ञ : यज्ञो वै श्रेष्ठतमं कर्म** की भावना के साथ गुरुकुल में प्रतिदिन ब्रह्मचारियों के द्वारा हवन किया जाता है। जिससे गुरुकुल का वातावरण प्रतिपल सात्विक ऊर्जा से भरा रहता है और ब्रह्मचारियों की मेधा का विकास होता हैं।
- **जन्मदिन विशेष :** ब्रह्मचारियों के जन्मदिवस पर उनके माता–पिता को सादर आमन्त्रित किया जाता है तत्पश्चात हवन यज्ञ करके गौशाला में दान देकर व सभी ब्रह्मचारियों को प्रसाद वितरण करके जन्मदिन को उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। सम्बन्धित छात्र को उज्ज्वल भविष्य के लिए सभी गुरुजनों का आशीर्वाद व मित्रगणों की शुभकामनाएँ प्राप्त होती हैं।
- **वैदिक संस्कारों का बोध :** हमारी संस्कृति 16 संस्कारों की पावनी संस्कृति है अतः गुरुकुल में प्रवेश होने के बाद वैदिक संस्कृति के अनुसार छात्र का उपनयन(**जनेऊ**) संस्कार किया जाता है और अन्य 15 संस्कारों का भी व्यवहारिक ज्ञान कराया जाता है तथा होली, दीपावली, मकर–संक्रान्ति, श्रावणी (रक्षा–बन्धन) आदि त्यौहार वैदिक परम्परा से उत्साहपूर्वक मनाए जाते हैं।
- **विद्वत संगोष्ठी व मार्ग–दर्शन :** परम पूज्य श्रद्धेय योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज की असीम कृपा से गुरुकुल में साधु–सन्तों, विद्वानों, प्रशासनिक अधिकारियों व प्रबुद्ध जनों का प्रायः आगमन होता रहता है। अतः उनके सानिध्य से विद्यार्थियों को जीवन की सफलता व सार्थकता के विषय में उचित मार्ग–दर्शन के साथ–साथ नई ऊर्जा भी प्राप्त होती है।

- **वसुधैव कुटुम्बकम् :** इस वैदिक उदात्त भावना के अनुरूप ब्रह्मचारियों का संरक्षण व संवर्द्धन जाति (वर्ग), भाषा, प्रान्त, मत आदि के भेदभाव के बिना किया जाता है। विद्यार्थियों में परस्पर प्रेम, सहयोग, सामंजस्य, शिष्टाचार, सौम्यता आदि मानवीय गुणों का विकास कराया जाता है। इसके साथ–साथ उनमें अपनी सभ्यता, संस्कृति, राष्ट्र व मानवता के प्रति निष्ठा व कर्त्तव्य–भाव भी विकसित करने का प्रयास किया जाता है।

पाठ्यक्रम

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड **(CBSE)** नई दिल्ली के द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार।

परीक्षा–व्यवस्था

- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा समय–समय पर जारी निर्देशानुसार।
- अनुशासन, स्वच्छता, आदि विषयों का भी ग्रेड के रूप में मूल्यांकन किया जाएगा।
- छात्र द्वारा किसी भी परीक्षा में अनुपस्थित होने पर पुनः परीक्षा नहीं ली जाएगी।
- किसी कारणवश परीक्षा में अनुपस्थित छात्र की परीक्षा लेना प्राचार्य की कृपा पर निर्भर है।

गुरुकुल महोत्सव

गुरुकुल महोत्सव परम् पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज की आज्ञा से।

अवकाश–व्यवस्था

अवकाश – ग्रीष्म अवकाश 25 दिवसीय (कार्यालय के निर्देशानुसार)
दीपावली अवकाश 5 दिवसीय (कार्यालय के निर्देशानुसार)

नोट : *सत्र के मध्य में छात्र को किसी भी परिस्थिति (शादी–विवाह, जन्मदिन इत्यादि) में अतिरिक्त अवकाश नहीं दिया जाएगा।*

विशेष – अवकाश अवधि पूर्ण होते ही विद्यार्थी का गुरुकुल में पहुँचना आवश्यक है। विलम्ब करने वाले विद्यार्थी को शुरू के 3 दिन, प्रतिदिन 300/– के हिसाब से दण्ड–शुल्क देना होगा। उसके बाद भी विलम्ब करने पर उसका प्रवेश (Admission) निरस्त कर दिया जाएगा।

प्रेरक प्रतियोगिताएँ

- प्रत्येक वर्ष संचालित सत्रावधि में वभिन्न खेल–कूद प्रतियोगिताओं के साथ–साथ प्रत्येक माह के अन्तिम दिवस (शनिवार) को विभिन्न विषयों पर आधारित प्रश्नोंत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी

किया जाता है तथा विजयी छात्रों को उत्साहवर्धन हेतु पारितोषिक प्रदान किया जाता है, जिससे अन्य छात्रों को सतत् आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती रहे।

प्रवेश सम्बन्धी नियम

- गुरुकुल में सीटों की रिक्तता के आधार पर सामान्यतः 5वीं से 9वीं व 11वीं (Art & Science Stream) कक्षाओं में प्रवेश दिया जाएगा।
- प्रवेश–परीक्षा के लिए आवेदन–पत्र नियमावली के अन्त में संलग्न है। इसे अभिभावक स्वयं भरकर व्यक्तिगत रूप से कार्यालय में जमा कराएँ।
- विद्यार्थी के अभिभावक शिक्षण सत्र के मध्य छात्र से मिलने के लिए स्वयं द्वारा सुनिश्चित पाँच लोगों की दो–दो फोटो, विद्यार्थी से सम्बन्ध, मोबाईल नं, निवास पता कार्यालय में अवश्य जमा करवाएँ। अन्यथा अपरिचित व्यक्ति के आने पर छात्र का मिलना सम्भव नहीं होगा।
- **प्रवेश–परीक्षा का कार्यक्रम निम्न प्रकार से है–**

  ..... को सुबह 9बजे से दोपहर 12 बजे तक

- **प्रवेश हेतु पाठ्यक्रम NCERT द्वारा निर्धारित विगत कक्षा के पठित पाठ्यक्रमानुसार रहेगा।**
- **संस्कार शिविर** में उत्तीर्ण होने के पश्चात् ही छात्र 10 दिन के अन्दर प्रवेश ले सकता है।

प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेज (Documents)

1. **मूल स्थानांतरण प्रमाण पत्र (T.C.)**
2. **मूल MIS T.C. स्थानांतरण प्रमाण पत्र**
3. **APAAR DI, PEN (Permanent Education Numer) by UDISE+**
4. **फैमली आई०डी० की छाया प्रति (फोटो कॉपी)**
5. **जन्म प्रमाण–पत्र की छाया प्रति (फोटो कॉपी)**
6. **आधार कार्ड की छाया प्रति (फोटो कॉपी)**
7. **छात्र व अभिभावक के 2–2 नवीन फोटो**
8. **गत कक्षा के रिपोर्ट कार्ड की छाया प्रति (फोटो कॉपी)**

वार्षिक शुल्क विवरण व्यवस्था

गुरुकुलीय शिक्षा प्रणाली में आवासीय व्यवस्था होने के कारण पाठ्येतर, छात्रावास, भोजन, बिजली, आदि अन्य आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्थाओं का व्यय–भार अभिभावक को ही वहन करना पड़ता है। अतः निर्धारित शुल्क दिए गए समयानुसार अवश्य जमा करवायें।

S.No.	CLASS						
			(Non Refundable)				TOTAL FEE
1	V	50000	7000	13000	70000	50000	**107000**
2	VI	50000	7000	13000	70000	54000	**111000**
3	VII	50000	7000	13000	70000	57000	**114000**
4	VIII	60000	7000	13000	80000	50000	**117000**
5	IX	60000	7000	13000	80000	53000	**120000**
6	X	60000	7000	13000	80000	54000	**121000**
7	XI-ARTS	65000	7000	13000	85000	56000	**128000**
8	XI-SCIENCE	65000	7000	13000	85000	61000	**133000**
9	XII- ARTS	65000	7000	13000	85000	57000	**129000**
10	XII-SCIENCE	65000	7000	13000	85000	62000	**134000**

- **छात्र के व्यक्तिगत खर्च के रूप में प्रवेश के समय कम से कम 13,000/– रू० छात्र की धरोहर राशि के रूप में जमा करवाने होगें, ताकि छात्र को समय पर पुस्तकें, स्टेशनरी व आवश्यक वस्तुएँ प्राप्त हो सकें।**

- **कक्षा 9 से 12 के सभी छात्रों का बोर्ड पंजीकरण व परीक्षा शुल्क, बोर्ड के अनुसार अभिभावकों को अलग से जमा करवाना होगा।**

छात्र के निष्कासन के कारण व नामांकन निरस्त करने के नियम

- सामूहिक अवकाश की समाप्ति के बाद भी 3 दिन तक बिना सूचना/अनुमति के अनुपस्थित रहने पर।
- निर्धारित शुल्क नियत अवधि तक उपेक्षा शुल्क के साथ जमा न करवाने पर।
- गुरुकुल के नियमों का उल्लंघन, उद्ण्डता, अशोभनीय आचरणादि करने पर।
- गुरुकुल शिक्षा के समय में सगाई/विवाह करने पर।
- गुरुकुल से गुप्तगमन करने पर।
- प्रवेश शुल्क (7000रू0) किसी भी अवस्था में छात्र को वापिस नही दिया जाएगा।
- छात्र के गुरुकुल में प्रवेश लेने के दिन से लेकर नामांकन निरस्तिकरण हेतु दिये गए प्रार्थना पत्र के दिन तक 700 रू0 प्रतिदिन के हिसाब से भोजन व छात्रावास शुल्क काटा जाएगा। 30 सितम्बर के बाद अगर कोई छात्र स्वयं गुरुकुल छोड़ता है तो जमा छात्रावास शुल्क से कोई भी राशि वापिस नही की जाएगी।
- धरोहर राशि (13000रू0) छात्र द्वारा लिए गए सामान की राशि काट कर वापिस की जाएगी।
- धरोहर राशि (13000रू0) का न्यून अथवा अधिक खर्च होना छात्र की सुविधा व उसके खर्च करने के व्यवहार पर निर्भर रहेगा।
- धोबी की सुविधा लेने हेतु कार्यालय मे अवगत कराये जिसका खर्च धरोहर राशि से लिया जाएगा।

पुनः प्रवेश

- यदि किसी परिस्थितिवश नामांकन निरस्त हो जाता है, तो पुनः प्रवेश शिक्षा विभाग के नियमानुसार तथा प्राचार्य की आज्ञानुसार ही किया जाएगा।

गुरुकुलीय गणवेश व अन्य आवश्यक वस्तुओं की सूची

गुरुकुल में विद्यार्थी के पास गुरुकुल द्वारा निर्धारित वस्तुएँ ही होनी चाहिए। सभी वस्तुओं पर विद्यार्थी का गुरुकुल द्वारा दिया गया अनुक्रमांक (Roll No.) लिखवाना अनिवार्य है। विद्यार्थियों के लिए ऋतु अनुकूल बिस्तरादि की व्यवस्था अभिभावक स्वयं करें।

नोट – गुरुकुल छात्रावास व विद्यालय में एक निर्धारित ड्रेस कोड के अनुसार सभी आवश्यक वस्तुएँ जैसे–विद्यालय गणवेश (School Dress) जूते, मोजा, रूमाल, स्वेटर, टी–शर्ट, तौलिया, लंगोट, कच्छा, ट्रैकशूट, लोवर, चादर (Bed Sheet), बर्तन, तेल, साबुन, पेस्ट, मंजन, ब्रुश, बैग, पुस्तकें व स्टेशनरी **आदि की व्यवस्था अभिभावक के असुविसधा की अवस्था में गुरुकुल स्वयं करेगा लेकिन इसका सम्पूर्ण खर्च अभिभावक द्वारा जमा करवाई गई छात्र धरोहर राशि के माध्यम से होगा।**

दिनचर्या-प्रकरण

गुरुकुलीय परम्परा में विद्यार्थी को गुरुकुल में ही आचार्यों के संरक्षण में रहना पड़ता है। अतः यहाँ उनको नियमित व निश्चित दिनचर्या का अनुपालन करना अनिवार्य है।

04 : 00	**–**	**04 : 15**	**प्रातः जागरण एवं मंत्रपाठ**
04 : 15	**–**	**05 : 00**	**ऊषापान, शौचादि नित्य-कर्म**
05 : 00	**–**	**06 : 30**	**स्वाध्याय**
06 : 30	**–**	**07 : 30**	**दौड़, व्यायाम, आसन, प्राणायाम आदि**
07 : 30	**–**	**08 : 00**	**स्नान**
08 : 00	**–**	**08 : 30**	**प्रातः राश**
08 : 30	**–**	**08 : 50**	**विद्यालय प्रार्थना**
08 : 50	**–**	**12 : 30**	**विद्यालय**
12 : 30	**–**	**01 : 50**	**भोजन + लघु विश्राम**
01 : 50	**–**	**03 : 20**	**विद्यालय**
03 : 20	**–**	**03 : 30**	**लघु विश्राम**
03 : 30	**–**	**04 : 20**	**स्वाध्याय**
04 : 20	**–**	**04 : 50**	**शौचादि**
04 : 50	**–**	**06 : 10**	**आसन, प्राणायाम, खेल, सेवा कार्य**
06 : 10	**–**	**06 : 30**	**स्नान**
06 : 30	**–**	**07 : 00**	**यज्ञ, संध्या**
07 : 00	**–**	**07 : 30**	**भोजन तथा भ्रमण**
07 : 30	**–**	**08 : 50**	**स्वाध्याय**
08 : 50	**–**	**09 : 10**	**दुग्ध-वितरण मन्त्र पाठ, समाचार दर्शन**
09 : 10	**–**	**04 : 00**	**शयन**

नोट – दिनचर्या ऋतु व परिस्थिति अनुसार परिवर्तनीय है।

अभिभावकों हेतु निर्देश

- "आचार्य–अभिभावक मिलन संवाद" (Parents Meeting) में अभिभावक की उपस्थिति अनिवार्य है।
- सामूहिक अवकाश पर केवल अभिभावक ही अपने बालक को लेने आए तथा अवकाश की समाप्ति पर स्वयं बालक को गुरुकुल में छोडकर जाएँ।
- अभिभावकों से अपेक्षा की जाती है कि गुरुकुल आगमन पर भारतीय संस्कृति के अनुरूप पोशाक पहन कर आएँ।
- छात्र को ले जाते समय मुख्य द्वार पञ्जिका में अपना नाम, पता, छात्र से सम्बन्ध व मोबाईल नं आदि अवश्य अंकित करें।
- गुरुकुल से विद्यार्थी को घर ले जाते समय तथा अवकाशोपरान्त गुरुकुल लाते समय गुरूकुलीय वेश–भूषा ही पहनाए।
- अभिभावक बालक से प्रत्येक महीनें के चौथे रविवार (4th Sunday) को प्रातः 9:30 के बाद मिल सकेगें तथा उनका कुशल–मंगल जानकर 1 घंटे तक अपना लाड़–प्यार, दुलार और मार्गदर्शन प्रदान कर सकेगें। आपसे हमारा निवेदन है कि हो सके तो प्रत्येक माह या अधिकतम दो महीनें में एक बार बालक से अवश्य मिलने आएँ
- अभिभावक अपने बालक के लिए केवल Keypad वाला मोबाईल Balance Recharge करवा कर छात्रावास संरक्षक के पास जमा करा सकते है, तथा महीने के केवल तृतीय रविवार को ही दोपहर बाद छात्र स्वयं अपने अभिभावक से अधिकतम 30 मिनट बात करेगा उससे पूर्व अभिभावकगण अनावश्यक रूप से संरक्षक को , कक्षा अध्यापक को व कार्यालय में फोन न करें।
- अभिवावक को नवीन प्रवेश व सामूहिक अवकाश के समय ही बालक के छात्रावास में प्रवेश की अनुमति रहेगी।
- अभिभावक खाद्य–पदार्थों में विद्यार्थी को केवल घी, फल, लड्डू, सूखे मेवे, (काजू, किशमिश, बादाम आदि) ही दे सकते हैं।
- **निषिद्ध वस्तुएं** – जैसे नकद राशि, स्मार्ट फोन, हाथ घड़ी, इलैक्ट्रोनिक उपकरण, पैन ड्राईव, मैमोरी कार्ड, अनावश्यक वस्त्र, नमकीन (जंक फूड) आदि पदार्थ व वस्तुएँ छात्र के लिए पूर्णतया निषिद्ध है। उपर्युक्त वस्तुएँ पाए जाने की स्थिति में छात्र व अभिभावक दोनों जिम्मेवार होंगे तथा कार्यालय द्वारा दिया गया दण्ड स्वीकार्य होगा।
- असाध्य अथवा संक्रामक रोग होने की स्थिति में अभिभावक का विद्यार्थी की चिकित्सा स्वयं ही घर पर करवानी होगी।
- अपने बच्चे की विशेषताओं तथा कमजोरियों के बारे में कार्यालय को लिखित रूप में अवगत करायें।
- सत्र के मध्य में छात्र का कोई भी आवश्यक प्रमाण–पत्र लेने के लिए कार्यालय को कम से कम 8 से 10 दिन पूर्व सूचित करें।
- अवकाश में विद्यार्थी को पूर्णतया स्वछन्द न छोड़ें। उसे गुरुकुलीय दिनचर्या जैसे–प्रातः 4:00 या 4:30 बजे उठाना, सन्ध्या, प्राणायाम, योगासन, गृहकार्य शास्त्र–स्मरण आदि अवश्य करवायें।

- अवकाश में विद्यार्थी की संगति, व्यवहारादि का ध्यान रखें। टी०वी०, मोबाईल, सोशल मिडिया, ऑनलाइन गेमिंग आदि से पूर्णतया दूर रखें। प्रतिदिन कुछ समय विद्यार्थी के साथ अवश्य बिताएँ तथा खाली समय में ज्ञानवर्धक उपयोगी पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करें।
- अभिभावक बालक की शिक्षा व आचरण से संबन्धित नवीनतम प्रगति रिर्पोट जानने के लिए कार्यालय में अपना नवीतम सपर्क–सूत्र व Whatsup नंबर अवश्य दें।
- अभिभावक कोई भी आकस्मिक जानकारी हेतु प्रातः 8 से सांय 8 बजे तक कार्यालय के नम्बरों पर फोन कर सकते हैं – **8222889112, 9416347551**
- गुरुकुल की नवीनतम गतिविधियाँ जानने व देखनें के लिए गुरुकुल के सभी सोशल मिडिया प्लेटफार्म (इंस्टाग्राम, युटयूब,फेसबुक, वट्सअप ग्रुप,) से अवश्य जुडें।
- अभिभावक को बालक का छात्रावास शुल्क (फीस) निर्धारित समय पर जमा करवाना अनिर्वाय है।
- अभिभावकों को गुरुकुलीय व्यवस्था के प्रति अपनी पूर्ण सहमति हेतु सकंल्प पत्र व शपथ पत्र देना अनिवार्य हैं।
- अभिभावक गुरुकुलीय पद्धति की समझ व उसके प्रति निष्ठा रखने वाला हो तथा गुरुकुल में बालक को शिक्षा की दृष्टि से ही प्रवेश दिलाएँ न कि उसके गलत स्वभाव के सुधार हेतु।
- छात्र के अभिभावक का आचार–विचार, वाणी–व्यवहार सात्विक होना आनिवार्य है।
- गुरुकुल से सम्बन्धित किसी भी वाद–विवाद के लिए न्यायिक क्षेत्र रेवाड़ी होगा।

वार्षिक गतिविधियाँ

सत्र 2025–2026

क्र.सं	दिनांक	गतिविधि
		अप्रैल – 2025
1	22-04-2025	पृथ्वी दिवस (Earth Day)
		मई – 2025
1	May, 2025	पीरियोडिक टैस्ट–1 (Periodic Test - 1)
2	May, 2025	शैक्षणिक भ्रमण (Educational Tour)
3	24-05-2025	अभिभावक–शिक्षक मिलन संवाद (PTM)
		जुलाई – 2025
1	01-07-2025 to 07-07-2025	पौधारोपण सप्ताह (Plantation week)
2	31-07-2025	कौशलवर्धिनी प्रतियोगिता (I.Q. Challenge)
		अगस्त – 2025
1	August, 2025	पीरियोडिक टैस्ट – 2 (Periodic Test - 2)
2	09-08-2025	उपनयन संस्कार
3	15-08-2025	स्वतंत्रता दिवस
4	16-08-2025	खेल दिवस
5	39-08-2025	छात्र चिकित्सा परीक्षण (Medical Checkup)
6	30-08-2025	कौशलवर्धिनी प्रतियोगिता (I.Q. Challenge)
		सितम्बर – 2025
1	02-09-2025	यज्ञ दिवस
2	05-09-2025	शिक्षक दिवस
3	14-09-2025	हिन्दी दिवस
4	September, 2025	अर्द्धवार्षिक परीक्षा (Term -1, Exam.)
5	27-09-2025	कौशलवर्धिनी प्रतियोगिता (I.Q. Challenge)

अक्टूबर – 2025

1	October, 2025	शैक्षणिक/मनोरंजक भ्रमण (Educational/Entertaining Tour)
2	October, 2025	आंतरिक खेल प्रतियोगिता (Sports Competition)
3	October, 2025	अभिभावक–शिक्षक मिलन संवाद (PTM)

नवम्बर – 2025

1	November, 2025	पीरियोडिक टैस्ट – 3 (Periodic Test - 3)
2	26-11-2025	संविधान दिवस
3	29-11-2025	कौशलवर्धिनी प्रतियोगिता (I.Q. Challenge)

दिसम्बर – 2025

1	11-12-2025	एक भारत श्रेष्ठ भारत
2	December, 2025	पीरियोडिक टैस्ट – 4 (Periodic Test - 4)
3	27-12-2025	कौशलवर्धिनी प्रतियोगिता (I.Q. Challenge)

जनवरी – 2026

1	January, 2026	प्री–बोर्ड परीक्षा कक्षा 10वी व 12वी (Pre-Board Exam. Class 10th, 12th)
2	24-01-2026 to 25-01-2026	स्कूली खेल–कूद दिवस
3	26-01-2026	गणतंत्र दिवस

मार्च – 2026

1	March, 2026	वार्षिक परीक्षा
2	March, 2026	अभिभावक–शिक्षक मिलन संवाद (PTM)
3	28-03-2026	वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित (Annual Result Declaration)